भारत की सभी समस्याओं का अन्त

सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

नकली दूध

समस्या नकली दूध

1. आज हमारे भारत मे । दूध उत्पादन फैक्ट्रियां । 10 20 टैकंर । प्रति दिन दूध बनाती है । और भारत मे बेच देती है ।
2. हम सोचा करते थे । कि दूध उत्पादन फैक्ट्रियां । जो प्रति दिन । 10 20 टैकंर दूध बेचती है । तो इनके पास । बहुत सारी । गाय । भैंस । बकरीयां । होंगी ।
3. लेकिन । टीवी । समाचार पत्रों से । मालुम पडा कि । इनके पास तो । एक भी । गाय । भैंस । बकरी । नही है । यह तो नकली दूध है ।
4. टीवी । समाचार पत्रों मे हमने । कई बार । देखा पढा है । कि टैकंर का टैकंर । नकली दूध । रोड मे बहा दिया जाता है ।
5. तब कारण पता चला । कि टैकंर का टैकंर । दूध रोड मे क्यों । बहाया गया ।
6. और टीवी और समाचार पत्रों से । हमे मालूम पडा । कि दूध कैसे बनाते है ।

दूध बनाने के लिए जरूरी सामान

1. नकली दूध मे । सफेदी लाने के लिए । खेत मे डालने वाली यूरिया खाद । नकली दूध मे । मिठास लाने के लिए । थोडी सक्कर । नकली दूध मे । चिकनाई लाने के लिए । थोडा रिफाइंड तेल । नकली दूध मे । झाग के लाने लिए । थोडा डिटरजेंट पावडर ।और अन्य । केमिकल मिलाकर । दूध बनाया गया था । इसीलिए टैकंर का टैकंर । नकली दूध । रोड मे बहा दिया गया ।

क्या दूध भी बनाने की चीज है ।दूध तो जानवरों से व्दारा प्राप्त होता है

1. दूध उत्पादन करने वाली । फैक्ट्रियों व्दारा । ज्यादा धन कमाने के लालच मे ।
2. भारत के भविस्य के साथ खिलवाड । बंद करना होगा ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सत्ताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।
5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है । किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
12. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना । क्योंकि समस्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
13. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
14. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
15. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जीसियो नियम से समाधान उपाय

1. भारत के हर । बी कार्ड धारक । दूध व्यापारी को । गाय । भैंस । बकरीयों । की खरीद बिक्री । । स्टाक । बी कार्ड मे । अंकित करना होगा ।
2. बी कार्ड से ही । दूध व्यापारी को । गाय । भैंस । बकरीयों का । भोजन लाना होगा ।
3. बी कार्ड से ही । दूध व्यापारी । दूध की बिक्री करेगा ।

तभी हमे और । हमारे बच्चों को । असली दूध पीने को मिलेगा ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

मेरा भारत महान